सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का जीवन परिचय

प्रश्न 1 (आसान). निराला जी का बचपन का नाम क्या था?
उत्तर – सूर्य कुमार

प्रश्न 2 (आसान). उनकी शिक्षा औपचारिक रूप से किस कक्षा तक हुई थी?
उत्तर – नवीं कक्षा तक

प्रश्न 3 (मध्यम). निराला जी के जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी क्या थी जिसने उन्हें भीतर तक झकझोर दिया?
उत्तर – उनकी पुत्री सरोज की मृत्यु।

प्रश्न 4 (कठिन). निराला जी को साहित्य और संगीत की प्रेरणा कहाँ से मिली थी?
उत्तर – अपनी पत्नी से।

» निराला का साहित्यिक अवदान और शैली

प्रश्न 5 (आसान). निराला जी किन दो प्रमुख पत्रिकाओं से जुड़े थे?
उत्तर – समन्वय और मतवाला।

प्रश्न 6 (आसान). उनकी एक प्रसिद्ध मुक्त छंद कविता का नाम बताओ।
उत्तर – जूही की कली।

प्रश्न 7 (मध्यम). निराला के काव्य-संसार की दो प्रमुख विशेषताएँ बताओ।
उत्तर – भारतीय इतिहास, दर्शन और समकालीन जीवन के यथार्थ का चित्रण; भावों और विचारों की विविधता व गहराई।

प्रश्न 8 (कठिन). निराला की काव्य-भाषा की विशेषताओं को उदाहरण सहित स्पष्ट करो।
उत्तर – उनकी काव्य-भाषा में तत्सम प्रधान पदावली (जैसे 'राम की शक्ति पूजा') और बोलचाल की भाषा का रचनात्मक प्रयोग (जैसे 'भिक्षुक') दोनों मिलते हैं। भाषा का कसाव, शब्दों की मितव्ययिता और अर्थ की प्रधानता भी उनकी विशेषताएँ हैं।

» निराला के काव्य की विशेषताएँ

प्रश्न 9 (आसान). निराला जी को किस प्रकार के छंद का प्रवर्तक माना जाता है?
उत्तर – मुक्त छंद

प्रश्न 10 (आसान). निराला के काव्य में किस वर्ग के जीवन का चित्रण मिलता है?
उत्तर – भारतीय किसान जीवन

प्रश्न 11 (मध्यम). निराला की कविताओं में भावों और विचारों की कौन सी विशेषताएँ प्रमुखता से मिलती हैं?
उत्तर – उनकी कविताओं में भावों और विचारों की विविधता, व्यापकता और गहराई मिलती है।

प्रश्न 12 (कठिन). निराला ने अपनी काव्य-भाषा में किन दो विपरीत शैलियों का सफल प्रयोग किया है? उदाहरण सहित समझाइए।
उत्तर – निराला ने अपनी काव्य-भाषा में तत्समप्रधान पदावली और बोलचाल की भाषा, इन दो विपरीत शैलियों का सफल प्रयोग किया है। उदाहरण के लिए, 'राम की शक्ति पूजा' जैसी कविताओं में जहाँ तत्सम शब्दों की प्रधानता है, वहीं 'भिक्षुक' जैसी कविताओं में उन्होंने सहज बोलचाल की भाषा का सृजनात्मक प्रयोग किया है।

» निराला की प्रमुख कृतियाँ

प्रश्न 13 (आसान). निराला जी के किसी एक उपन्यास का नाम बताइए।
उत्तर – बिल्लेसुर बकरिहा।

प्रश्न 14 (आसान). निराला जी के संपूर्ण साहित्य को किस नाम से जाना जाता है?
उत्तर – निराला रचनावली।

प्रश्न 15 (मध्यम). निम्नलिखित में से कौन-सा निराला जी का काव्य संग्रह नहीं है: परिमल, तुलसीदास, बिल्लेसुर बकरिहा, कुकुरमुत्ता?
उत्तर – बिल्लेसुर बकरिहा।

प्रश्न 16 (कठिन). निराला जी की किन्हीं दो काव्य कृतियों और एक उपन्यास का नाम लिखिए।
उत्तर – काव्य कृतियाँ: परिमल, गीतिका। उपन्यास: बिल्लेसुर बकरिहा।

» 'सरोज स्मृति' का केंद्रीय भाव

प्रश्न 17 (आसान). 'सरोज स्मृति' कविता का मुख्य विषय क्या है?
उत्तर – निराला की दिवंगत पुत्री सरोज पर केंद्रित पिता का विलाप।

प्रश्न 18 (आसान). कवि को सरोज में किसकी झलक दिखाई देती थी?
उत्तर – अपनी स्वर्गीया पत्नी की।

प्रश्न 19 (मध्यम). 'अकर्मण्यता बोध' से कवि का क्या तात्पर्य है इस कविता में?
उत्तर – अपनी पुत्री के लिए बहुत कुछ न कर पाने का दुख और असहायता का भाव।

प्रश्न 20 (कठिन). कविता में 'दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज जो नहीं कही' पंक्ति निराला के किस पक्ष को उजागर करती है?
उत्तर – यह पंक्ति निराला के व्यक्तिगत जीवन के गहरे दुख, संघर्षों और समाज से उनके संबंधों के कठिन यथार्थ को उजागर करती है।

» पुत्री सरोज का नव-वधू रूप

प्रश्न 21 (आसान). कवि को सरोज के होठों में क्या दिख रहा था?
उत्तर – बिजली फंसी हुई सी चमक (स्पंद)

प्रश्न 22 (आसान). सरोज की मुस्कान कैसी थी जब उसने अपने पिता को देखा?
उत्तर – मंद हँसी

प्रश्न 23 (मध्यम). कवि ने 'शृंगार रहा जो निराकार' पंक्ति में किस बात की ओर इशारा किया है?
उत्तर – इस पंक्ति में कवि अपनी स्वर्गीया पत्नी के उस प्रेम और सौंदर्य की बात कर रहे हैं, जो पहले निराकार था, यानी उसका कोई भौतिक रूप नहीं था। अब वही प्रेम और सौंदर्य उन्हें सरोज के नव-वधू रूप में साकार होता दिख रहा है, जैसे माँ का सौंदर्य बेटी में उतर आया हो।

प्रश्न 24 (कठिन). कविता में 'आकाश बदल कर बना मही' पंक्ति का क्या आशय है? 'आकाश' और 'मही' शब्द किनकी ओर संकेत करते हैं?
उत्तर – 'आकाश' यहाँ कवि की स्वर्गीया पत्नी के सौंदर्य और प्रेम को दर्शाता है, जो अदृश्य, निराकार और अनुपलब्ध था। 'मही' का अर्थ है पृथ्वी, यानी साकार रूप। इस पंक्ति का आशय यह है कि उनकी पत्नी का जो निराकार प्रेम और सौंदर्य था, वह अब उनकी पुत्री सरोज के नव-वधू रूप में धरती पर, साकार रूप में उतर आया है। यानी सरोज में उन्हें अपनी पत्नी की सुंदरता की झलक दिखती है।

» निराला का वैवाहिक स्मृति और पुत्री के विवाह की भिन्नता

प्रश्न 25 (आसान). सरोज के विवाह को 'आत्मीय स्वजन कोई थे नहीं' क्यों कहा गया है?
उत्तर – कवि के जीवन में लगातार आई विपत्तियों के कारण उनके ज़्यादातर आत्मीय जन नहीं रहे थे, और उनके पास इतने साधन भी नहीं थे कि वे धूमधाम से शादी कर पाते।

प्रश्न 26 (आसान). कवि को सरोज के रूप में अपनी पत्नी की याद क्यों आती है?
उत्तर – सरोज का रूप-रंग, उसकी मंद हँसी और आत्मविश्वास कवि को अपनी स्वर्गीय पत्नी की याद दिलाते हैं, जैसे सरोज में उनकी पत्नी का ही अक्स हो।

प्रश्न 27 (मध्यम). पंक्ति 'देखा मैंने, वह मूर्ति-धीति मेरे वसंत की प्रथम गीति' का क्या अर्थ है? यह निराला के किस वैवाहिक स्मृति से जुड़ा है?
उत्तर – इस पंक्ति का अर्थ है कि सरोज के नव-वधू रूप में कवि को अपनी पत्नी की सुंदर छवि और अपने जवानी के दिनों का पहला प्रेम गीत दिखाई दिया। यह उनकी अपनी शादी की प्रेम और उल्लास भरी स्मृति से जुड़ा है।

प्रश्न 28 (कठिन). निराला ने सरोज के विवाह को अन्य विवाहों से भिन्न क्यों कहा है? इसमें 'आकाश बदल कर बना मही' पंक्ति का क्या महत्व है?
उत्तर – सरोज का विवाह इसलिए भिन्न था क्योंकि इसमें कोई आमंत्रण, कोई विवाह-गीत या कोई आत्मीय जन नहीं था, यह अत्यंत सादगीपूर्ण और मौन था। 'आकाश बदल कर बना मही' का महत्व यह है कि जो प्रेम और सुंदरता पहले निराकार और आकाशीय थी (उनकी पत्नी का प्रेम), वही अब सरोज के रूप में मूर्त होकर धरती पर आ गई है, लेकिन विवाह की परिस्थितियों ने उस उल्लास को छीन लिया है।

» सरोज का पालन-पोषण और नानी के घर का स्नेह

प्रश्न 29 (आसान). सरोज को 'माँ की कुल शिक्षा' किसने दी?
उत्तर – सरोज को 'माँ की कुल शिक्षा' उसके पिता सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' ने दी।

प्रश्न 30 (आसान). सरोज का बचपन कहाँ बीता?
उत्तर – सरोज का बचपन मुख्यतः उसकी नानी के घर बीता।

प्रश्न 31 (मध्यम). निराला जी ने सरोज की तुलना किससे की है और क्यों?
उत्तर – निराला जी ने सरोज की तुलना एक 'कली' से की है, जिसे पिता ने स्वयं स्नेह से पाला। यह तुलना सरोज के कोमल बचपन और पिता के परवरिश के महत्व को दर्शाती है।

प्रश्न 32 (कठिन). मामा- मामी के स्नेह की तुलना कवि ने किससे की है और इस तुलना का क्या महत्व है?
उत्तर – कवि ने मामा-मामी के स्नेह की तुलना 'जलद धरा को ज्यों अपार' यानी बादलों द्वारा धरती को अपार जल से भरने से की है। इस तुलना का महत्व यह है कि यह दर्शाता है कि मामा-मामी ने सरोज को असीमित और जीवनदायिनी प्यार दिया, जैसे बादल धरती को जीवन देते हैं।

» एक भाग्यहीन पिता का दुख और तर्पण

प्रश्न 33 (आसान). निराला जी अपनी पुत्री सरोज को क्या मानते थे?
उत्तर – निराला जी अपनी पुत्री सरोज को अपना 'संबल' मानते थे।

प्रश्न 34 (आसान). कवि ने अपने जीवन के बारे में क्या कहा?
उत्तर – कवि ने कहा, 'दुख ही जीवन की कथा रही, क्या कहूँ आज जो नहीं कही'।

प्रश्न 35 (मध्यम). 'एक भाग्यहीन पिता का दुख' से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट कीजिए।
उत्तर – एक भाग्यहीन पिता का दुख का अर्थ है निराला जी का वो गहरा कष्ट और दुर्भाग्य जब उनकी इकलौती बेटी सरोज का देहांत हो गया। उन्होंने खुद को भाग्यहीन इसलिए कहा क्योंकि जिस बेटी को उन्होंने पाल-पोसकर बड़ा किया, वही उनका सहारा बनकर उनके साथ नहीं रह पाई।

प्रश्न 36 (कठिन). निराला जी ने सरोज का तर्पण क्यों किया? यह क्रिया भारतीय परंपरा में क्या महत्व रखती है?

उत्तर – निराला जी ने सरोज का तर्पण इसलिए किया क्योंकि सरोज उनकी इकलौती संतान थी और वह नहीं रही। भारतीय परंपरा में तर्पण पितरों को याद करने और उन्हें जल अर्पित करने की क्रिया है, जो आमतौर पर पुत्र करते हैं। निराला जी ने यह क्रिया एक पिता के रूप में की, जो उनकी गहरी वेदना और पुत्री के प्रति अंतिम कर्तव्य को दर्शाता है, भले ही इसके लिए उन्हें सामाजिक मान्यताओं को तोड़ना पड़ा हो।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के जीवन की किन्हीं तीन प्रमुख घटनाओं का वर्णन कीजिए, जिन्होंने उनके व्यक्तित्व को प्रभावित किया.

› पहला: उनकी माँ का बहुत छोटी उम्र में निधन हो जाना। इससे उन्हें बचपन में ही माँ के प्यार से वंचित रहना पड़ा और जीवन की अस्थिरता का अनुभव हुआ।

› दूसरा: उनकी पत्नी का कम उम्र में देहांत हो जाना। पत्नी की प्रेरणा से ही उन्हें साहित्य और संगीत में रुचि हुई थी, तो उनके जाने से एक बड़ा खालीपन आया।

› तीसरा: पुत्री सरोज की असमय मृत्यु। यह दुख उन्हें भीतर तक झकझोर गया, जिसकी अभिव्यक्ति 'सरोज स्मृति' जैसी कविताओं में साफ दिखती है। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा आघात था।

उत्तर – इन तीनों घटनाओं ने निराला जी के संवेदनशील और विद्रोही व्यक्तित्व की नींव रखी, और उनके काव्य में दुख, संघर्ष व मानवीय संवेदनाओं की गहरी छाप दिखाई देती है.

उदाहरण 2. निराला को 'मुक्त छंद का प्रवर्तक' क्यों कहा जाता है? समझाओ।

› निराला ने 'जूही की कली' जैसी कविताओं में एक नया तरीका अपनाया, जिसमें कविता को किसी निश्चित मात्रा या वर्णों की गिनती के बंधन में नहीं बाँधा गया।

› उन्होंने पुरानी, पारंपरिक छंद-योजना को छोड़कर कविता को विचारों और भावों की स्वतंत्रता दी।

› इस नए अंदाज़ से कविता को बोलने और पढ़ने में एक अलग प्रवाह मिला, जो पहले नहीं था।

› इसलिए, हिंदी साहित्य में कविता को छंदों के नियमों से आज़ाद करने का श्रेय निराला को दिया गया और वे 'मुक्त छंद के प्रवर्तक' कहलाए।

उत्तर – निराला ने अपनी कविताओं को पारंपरिक छंदों के बंधन से मुक्त कर एक नया 'मुक्त छंद' प्रस्तुत किया, जिससे भावों की अभिव्यक्ति अधिक स्वतंत्र हो गई, इसीलिए उन्हें इसका प्रवर्तक कहा जाता है।

उदाहरण 3. निराला जी के काव्य की उन दो मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जो उनकी भाषा शैली से संबंधित हैं।

› सबसे पहले हमें यह समझना होगा कि निराला जी की भाषा कैसी थी।

› उनकी भाषा में दो बड़े अलग-अलग रूप मिलते हैं।

› पहला, उन्होंने तत्समप्रधान पदावली का प्रयोग किया, जैसे 'राम की शक्ति पूजा' जैसी लंबी कविताओं में।

› दूसरा, उन्होंने आम बोलचाल की भाषा का भी सृजनात्मक प्रयोग किया, जैसे 'भिक्षुक' या 'वह तोड़ती पत्थर' जैसी कविताओं में।

› तो, उनकी भाषा की विशेषता यह थी कि वह एक ही तरह की नहीं थी, बल्कि उसमें विविधता थी।

उत्तर – निराला जी के काव्य की भाषा शैली से संबंधित दो मुख्य विशेषताएँ हैं: (1) तत्समप्रधान पदावली का प्रयोग (जैसे 'राम की शक्ति पूजा' में) और (2) बोलचाल की भाषा का सृजनात्मक प्रयोग (जैसे 'भिक्षुक' कविता में)।

उदाहरण 4. निराला जी के किन्हीं तीन प्रमुख काव्य संग्रहों के नाम बताइए।

› सबसे पहले हमें सोचना होगा कि 'काव्य संग्रह' का मतलब क्या है। काव्य संग्रह यानी कविता की किताबें।

› फिर हम निराला जी की उन किताबों के नाम याद करेंगे जो कविताएँ हैं।

› जैसे 'परिमल' उनकी कविताओं का एक संग्रह है।

› और 'गीतिका' भी कविताओं का संग्रह है।

› और 'अनामिका' भी एक महत्वपूर्ण काव्य संग्रह है।

उत्तर – निराला जी के तीन प्रमुख काव्य संग्रह हैं: परिमल, गीतिका, अनामिका।

उदाहरण 5. कवि निराला ने 'सरोज स्मृति' कविता में अपनी बेटी सरोज के लिए किन भावनाओं को व्यक्त किया है?

› पहला, कवि ने अपनी दिवंगत पुत्री सरोज के निधन पर गहरा विलाप और दुख व्यक्त किया है।

› दूसरा, सरोज के रूप में कवि को अपनी स्वर्गीय पत्नी की याद आती है, जो उनके दुख को और बढ़ा देती है।

› तीसरा, कवि स्वयं को एक भाग्यहीन पिता मानते हैं जो अपनी बेटी के लिए पर्याप्त नहीं कर पाए, यह उनका जीवन-संघर्ष और अकर्मण्यता बोध दिखाता है।

› चौथा, इसमें समाज से उनके संबंधों और उनके अकेलेपन का चित्रण भी है।

उत्तर – निराला ने अपनी पुत्री सरोज के निधन पर विलाप, अपनी स्वर्गीया पत्नी की स्मृति, अपने भाग्यहीन होने का बोध, और एक पिता के रूप में अपने जीवन-संघर्ष को व्यक्त किया है।

उदाहरण 6. कविता की पंक्तियों 'देखती मुझे तू हँसी मंद, होठों में बिजली पँफसी स्पंद' का भाव स्पष्ट कीजिए।

› सबसे पहले, 'देखती मुझे तू हँसी मंद' का अर्थ समझें। इसका मतलब है कि सरोज ने कवि, यानी अपने पिता को देखकर हल्की सी, धीरे से मुस्कान दी। यह मुस्कान संकोच और प्रेम से भरी हुई थी।

› फिर, 'होठों में बिजली पँफसी स्पंद' का अर्थ देखें। यहाँ 'बिजली' सुंदरता और चमक का प्रतीक है। 'पँफसी स्पंद' का अर्थ है कि वह चमक उसके होठों पर स्थिर होकर काँप रही थी, जैसे बिजली एक पल को कहीं ठहर जाए।

› इन दोनों पंक्तियों को एक साथ जोड़कर समझें। इसका मतलब है कि नई दुल्हन बनी सरोज जब अपने पिता को देखती है, तो उसके होठों पर एक हल्की, शर्मीली मुस्कान है। इस मुस्कान में इतनी चमक है, इतनी सुंदरता है कि कवि को वह बिजली की तरह लग रही है, जो उसके होठों पर रुककर थरथरा रही है। यह उसकी आंतरिक खुशी और नव-वधू के रूप की शोभा को दर्शाता है।

उत्तर – इन पंक्तियों में कवि अपनी पुत्री सरोज के नव-वधू रूप का चित्रण कर रहे हैं। वे कहते हैं कि जब सरोज ने उन्हें देखा, तो उसके चेहरे पर एक कोमल, मंद मुस्कान थी। उसके होठों पर एक ऐसी चमत्कारी आभा थी, जो बिजली की तरह काँप रही थी। यह उसकी अद्वितीय सुंदरता और विवाह के आनंद को प्रकट करता है।

उदाहरण 7. कविता में निराला जी सरोज के विवाह में किन दो भिन्न स्मृतियों को देखते हैं?

› पहला, जब वह सरोज को नव-वधू के रूप में देखते हैं, तो उन्हें अपनी स्वर्गीय पत्नी की रूप-रंग और जवानी की याद आती है। उन्हें लगता है, 'वह मूर्ति-धीति मेरे वसंत की प्रथम गीति' - मानो उनकी पत्नी ही सरोज के रूप में धरती पर आ गई हो।

› दूसरा, उन्हें अपने स्वयं के विवाह का प्रेम और राग-रंग याद आता है, जिसकी तुलना में सरोज का विवाह आत्मीयजनों और धूमधाम के बिना बिल्कुल साधारण और सूना था।

› कवि इन दोनों स्मृतियों को साथ देखते हैं, जिससे सरोज के विवाह की सादगी और उनके खुद के जीवन का दुख और भी गहरा हो जाता है।

उत्तर – सरोज के विवाह में निराला जी अपनी स्वर्गीय पत्नी के रूप-रंग और अपनी जवानी के प्रेमगीत की स्मृति, तथा अपने स्वयं के विवाह के उल्लास की तुलना सरोज के साधारण और आत्मीय-विहीन विवाह से करते हैं।

उदाहरण 8. निराला जी ने सरोज को किस तरह की शिक्षा दी और उसके पालन-पोषण में किन लोगों का विशेष योगदान था?

› पहला कदम: कवि ने स्वयं अपनी पुत्री सरोज को 'माँ की कुल शिक्षा' दी, क्योंकि उसकी माँ का देहांत हो चुका था।

› दूसरा कदम: कवि ने सरोज को एक कली की तरह स्वयं स्नेह से पाला।

› तीसरा कदम: बाद में सरोज ने अपने जीवन का कुछ समय नानी के घर बिताया, जहाँ उसे मामा और मामी का अपार स्नेह और सहारा मिला।

› चौथा कदम: मामा-मामी ने सरोज के सुख-दुख में सदा साथ दिया और उसके हित के लिए व्यस्त रहे।

उत्तर – सरोज को उसकी माँ की शिक्षा स्वयं पिता निराला जी ने दी। उसके पालन-पोषण में पिता के साथ-साथ उसके नानी के घर में मामा और मामी का भी विशेष योगदान रहा, जिन्होंने उसे भरपूर प्यार और सहारा दिया।

उदाहरण 9. निराला जी ने अपनी पुत्री सरोज के लिए क्या किया, जब वह नहीं रही?

› कवि ने स्वयं को 'भाग्यहीन' कहा क्योंकि उनकी पुत्री, उनका सहारा, उन्हें छोड़कर चली गई।

› उन्होंने अपनी पुत्री सरोज को 'संबल' माना, यानी अपना एकमात्र सहारा।

› अपनी असमर्थता के बावजूद, उन्होंने पारंपरिक विधि से अपनी पुत्री का 'तर्पण' किया। यह एक ऐसा कर्म है जो आमतौर पर पुत्र करते हैं, लेकिन निराला जी ने एक पिता होने के नाते, और शायद पुत्र न होने के कारण, स्वयं यह कर्म किया।

उत्तर – निराला जी ने अपनी मृत पुत्री सरोज को अपना संबल मानकर, एक भाग्यहीन पिता के रूप में, खुद उसका तर्पण किया।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• निराला जी के जीवन परिचय से जुड़े प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर आते हैं, खासकर उनकी पारिवारिक त्रासदियों और उनके प्रभाव पर। इन बिंदुओं को ध्यान से तैयार करना.

• निराला के साहित्यिक अवदान पर अक्सर 'मुक्त छंद' और उनकी भाषा शैली को लेकर प्रश्न पूछे जाते हैं। इन बिंदुओं को अच्छे से तैयार करना, बेटा।

• निराला के काव्य की विशेषताओं पर सीधा प्रश्न बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है। सभी विशेषताओं को याद रखें और कम से कम दो उदाहरण (जैसे 'राम की शक्ति पूजा' और 'भिक्षुक') ज़रूर तैयार करके जाएँ।

• उनकी प्रमुख कृतियों के नाम और वे किस विधा (काव्य/उपन्यास) से संबंधित हैं, ये अच्छे से याद कर लेना। बहुविकल्पीय प्रश्न आ सकते हैं।

• यह प्रश्न अक्सर सीधे तौर पर पूछा जाता है, इसलिए इसके सभी मुख्य बिंदुओं को विस्तार से लिखना बहुत ज़रूरी है। 'केंद्रीय भाव' को अच्छे से समझाना है।

• यह अंश बोर्ड परीक्षा में व्याख्या के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। सरोज के बाहरी सौंदर्य के साथ-साथ उसके आंतरिक भावों और कवि के अपनी पत्नी से जुड़ाव को भी स्पष्ट करना ज़रूरी है।

• यह अंश कविता के मर्म को समझने के लिए महत्वपूर्ण है। परीक्षा में निराला जी की पुत्री के प्रति भावनाएँ और उसके पालन-पोषण से जुड़े प्रश्न आ सकते हैं, इसलिए इसे ध्यान से समझें।

एक नज़र में रिवीज़न

› निराला: जन्म बंगाल, बचपन सूर्य कुमार, जीवन दुखों भरा, पुत्री सरोज का निधन महत्वपूर्ण.

› निराला: मुक्त छंद प्रवर्तक, समन्वय/मतवाला संपादक, विविध काव्य-रूप, व्यापक विषय।

› निराला काव्य: भाव विविधता, मुक्त छंद, तत्सम-बोलचाल भाषा, किसान जीवन.

› निराला: परिमल, गीतिका, अनामिका (काव्य); बिल्लेसुर बकरिहा (उपन्यास)

› सरोज स्मृति: पिता का विलाप, पत्नी की स्मृति, भाग्यहीनता, जीवन-संघर्ष।

› सरोज का नव-वधू रूप: मंद हँसी, बिजली सी चमक, माँ के सौंदर्य का साकार रूप।

› सरोज का पालन-पोषण पिता द्वारा और नानी के घर मामा-मामी के स्नेह से हुआ।